क्र.सं.	विषयः	लेखक/लेखिका	पृ.सं.
	सम्पादकीयम्		
1.	आचार्य अभिनवगुप्त का विविधशास्त्रीय अवदान	प्रो. अभिराजराजेन्द्रमिश्रः	14
2.	वेदों का सन्देश	प्रो. महावीरअग्रवालः	17
3.	शब्दार्थसम्बन्धविमर्शः	प्रो. आजादमिश्रो 'मधुकरः'	22
4.	कौचुमारयोगाः	प्रो. बृजेशकुमारशुक्लः	27
5.	भारतीयसमाजे वर्णानामकर्तव्याः कर्तव्याः विशेषाधिकाराश्च	प्रो. रामसुमेरयादवः	34
6.	''मानव-जीवन में बौद्ध सूक्तियों का व्यावहारिक पक्ष :कोसल संयुत्त के परिप्रेक्ष्य में''	प्रो. अरुणाशुक्ला	44
7.	आनन्दतत्वानुभूति के आलोक में 'सौन्दर्यलहरी''	प्रो. सुधाबाजपेयी	50
8.	राष्ट्रीय जागरण में संस्कृत पत्र-पत्रिकाओं का योगदान	प्रो. ओम्प्रकाशपाण्डेयः	54
9.	ऐतरेयारण्यक में वर्णित सृष्टि प्रक्रिया	प्रो. उमेशप्रसादसिंहः	59
10.	मण्डूक सूक्त में वर्णित प्रतीक	प्रो. ख़ालिद बिन यूसुफ़ ख़ाँ	62
11.	वेदोपदिष्टा नैतिकावधारणा	प्रो. राजेश्वरमिश्रः	66
12.	न्यायशास्त्रमयी गीता	प्रो. शिवकुमारचतुर्वेदी	70
13.	गाँधी गीता (अहिंसा योग)	प्रो. पुष्पाअवस्थी	74
14.	आपस्तम्बधर्मसूत्र में सामाजिक तथा नैतिक नियम	डॉ. प्रयागनारायणमिश्रः	79
15.	पूर्वमेघ-विमर्श (कोमल संस्कृति-प्रवाह)	डॉ अभिमन्युसिंहः	87
16.	वैदिकदेवतालक्षणविवेचनम्	डॉ. सत्यकेतुः	93
17.	ब्रह्मसूत्रानुगतं ब्रह्मणो लक्षणम्	डॉ. भुवनेश्वरीभारद्वाजः	97
18.	अलङ्कारसर्वस्वे उपमायाः स्थानम	डॉ. अशोककुमार शतपथी	101
19.	इतिवृत्त : रूपकों में इस प्रवाह हेतु एक आवश्यक अङ्ग	दीपालीतिवारी	105
20.	एकावलीग्रन्थस्य केचन विशेषाः	डॉ. पवन कुमार	109
21.	''आचार्य अभिनव गुप्त का काव्य शास्त्रीय अवदान'' (भरत के रससूत्र की व्याख्या के सन्दर्भ में)	डॉ. सुरचना त्रिवेदी	114
22.	वैश्वीकरण की भारतीय अवधारणा	डॉ. नवलता	119
23.	जम्मूकश्मीर में संस्कृत भाषा की वर्तमान परिस्थिति का सिंहावलोकन	डॉ. रामबहादुरशुक्लः	125
			133

क्र.सं.	विषयः	लेखक/लेखिका	पृ.सं.
24.	समासानां भाषावैज्ञानिकाध्ययनम्	डॉ. नारायणदाशः	138
25.	वैदिक ऋषियों द्वारा प्रतिपादित राष्ट्रीय चिन्तन की साम्प्रतिक उपादेयता	डॉ. प्रज्ञापाण्डेया	142
26.	'जीवनपर्वनाटक' में चरित्र-चित्रण	शक्तिपाण्डेयः	148
27.	रामानुजविरचित श्रीभाष्य में विविध विद्या का स्वरूप	डॉ. नेहाखरे	152
28.	सौन्दर्यशास्त्र : म0म0 प्रो. रेवाप्रसाद द्विवेदी की प्रत्यभिज्ञा	डॉ. सन्तप्रकाशतिवारी	157
29.	विक्रमाङ्कदेवचरित कालीन कला और शिल्प	डॉ. ऋचाशुक्ला	165
30.	समन्वय की भावना - ऋग्वेद के सन्दर्भ में	सन्तोषकुमारकुशवाहा	172
31.	गरुड़पुराण एवं कात्यायन-व्याकरण	डॉ. श्यामलेशकुमारतिवारी	176
32.	अभिज्ञानशाकुन्तलम् में प्रयुक्त प्राकृत	डॉ. पत्रिकाजैन	179
33.	शक्ति स्वरूपा राधा तत्त्व	डॉ. संयोगिता	184
34.	वैदिक वाङ्मय में नैतिक मूल्य-एक मीमांसा (आधुनिक संदर्भ में)	सतीशप्रतापसिंहः	188
35.	आथर्वण भेषज में जल-चिकित्सा का वैशिष्ट्य	ममतावर्मा	192
36.	संस्कृत बाल साहित्य के विकास में प्रो. अभिराज राजेन्द्र मिश्र का योगदान	अमरजीतः	198
37.	पुराणों में निहित अवतारवाद	लक्ष्मीनरायनः	201
38.	स्वर एवं व्यंजन एक पारिभाषिक विश्लेषण	डॉ. सुखरामः	205
39.	कादम्बरी का सांस्कृतिक मूल्याङ्कन	त्रिलोकीनाथयादवः	208
40.	रससिद्धान्त	डॉ. ऋचामिश्रा	211
41.	दर्शनानाम्मते क्रियास्वरूपम्	डॉ. मीरादेवी	214
42.	संस्कृत लोकगीत : एक अध्ययन	अरुण कुमार निषाद	218
43.	राजा भोज की सांस्कृतिक विरासत	प्रो. अनामिका प्रजापति एवं डॉ. बालकृष्ण प्रजापति	224
44.	Concept of Karana in Tarkasamgraha	डॉ. दुःशासनओझा	228